1972-2022

Karyakar Suvarna Mahotsav

Geet-mala

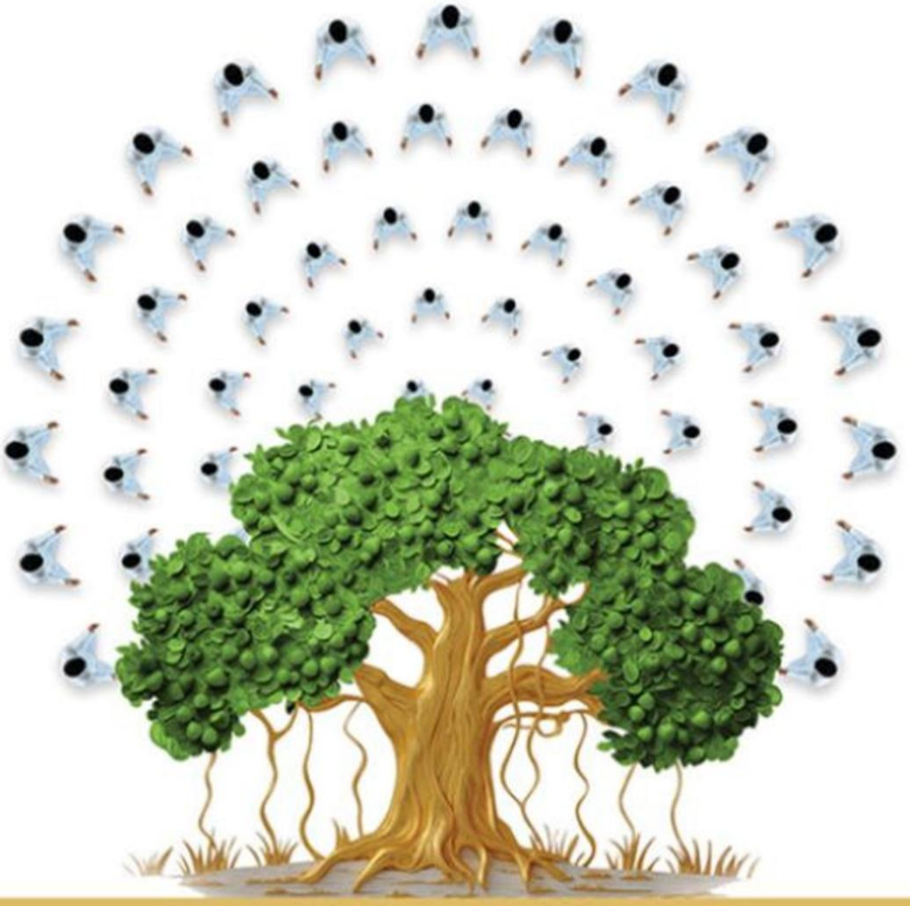

બ્રહ્મસ્વરૂપ પ્રમુખસ્વામી મહારાજે સ્થાપેલા

કાર્યકર-સંગઠનના સુવર્ણ મહોત્સવ ઉપક્રમે

પ્રસ્તુત થયેલ નૂતન નૃત્યગીતોનું ઓડિયો આલ્બમ

ટ્રેક ૧ : મંગલાચરણ

વન્દે શ્રીપુરુષોત્તમં ચ પરમં ધામાક્ષરં જ્ઞાનદં
વન્દે પ્રાગજીભક્તમેવમનઘં બ્રહ્મસ્વરૂપ મુદા,
વન્દે યજ્ઞપુરુષદાસચરણ શ્રીયોગિરાજ તથા
વન્દે શ્રીપ્રમુખં મહન્તગુણિનં મોક્ષાય ભક્ત્યા સદા.

કવિ : સાધુ વિવેકસાગરદાસ
ગાયક : જયદીપ સ્વાદિયા અને ગાયકવૃંદ

ટ્રેક ૨ : સ્વામિનારાયણ ધૂન

સ્વામિનારાયણ ધૂન – રાગ યમન

ગાયક : જૈમિન વૈદ્ય અને ગાયકવૃંદ

ટ્રેક ૩ : અમે સૌ સ્વામીના બાળક

અમે સૌ સ્વામીના બાળક, જીવીશું સ્વામીને માટે;
અમે સૌ શ્રીજીતણા યુવક, જીવીશું શ્રીજીને માટે... ટેક

અમે આ યજ્ઞ આરંભ્યો, બલિદાનો અમે દઈશું;
અમારા અક્ષરપુરુષોત્તમ, ગુણાતીત જ્ઞાનને ગાઈશું... અમે. ૧

અમે સૌ શ્રીજી તણાં પુત્રો, અક્ષરે વાસ અમારો છે;
સ્વધર્મી ભસ્મ ચોળી તો, અમારે ક્ષોભ શાનો છે... અમે.૨

જુઓ સૌ મોતીના સ્વામી, ન રાખી કાંઈ તે ખામી;
પ્રગટ પુરુષોત્તમ પામી, મળ્યા ગુણાતીત સ્વામી.. અમે.૩

કવિ : મોતીભાઈ ભગવાનદાસ પટેલ
ગાયક : જયદીપ સ્વાદિયા, જુકેત પટેલ,
ધવલ કઠવાડિયા, શ્લોક મિત્રા
અને ગાયકવૃંદ

ट्रेक ४ : कार्यकर सुवर्ण महोत्सव गीत

अक्षर पुरुषोत्तम के सेवक, गौरव यह दिल में भरकर,
स्वर्ण महोत्सव कार्यकरों का आओ मनाएँ हम मिलकर,
हम बी.ए.पी.एस. के कार्यकर, हम महंत स्वामी के कार्यकर... ध्रुव.

स्वामिनारायण संस्कारों से महेके उपवन सत्संग का,
किये कार्यकर प्रमुख स्वामी ने बोया बीज समर्पण का,
हम सेवक हैं इस उपवन के, गुरुकृपा बरसे हम पर।
हम बी.ए.पी.एस. के कार्यकर, हम महंत स्वामी के कार्यकर... १

ॐ... येनाक्षरं पुरुषं वेद सत्यं प्रोवाच तां तत्त्वतो ब्रह्मविद्याम्... ॐ

ये ब्रह्म और परब्रह्म का, नस नस में प्रवाहित ज्ञान है,
गुरुभक्ति है हर साँस में, धडकन में भी यह गान है,
ना चाह है यश लाभ की, सेवक हैं हम यही शान है,
श्वेतांबरी हम संत हैं, कर्तव्य से पहचान है,
स्वामी महंत के वचन पर, करना हमें बलिदान है,
गुरुचरण में तन-मन सदा, ये जिंदगी कुरबान है,
सेवा धर्म परम साधना, करते रहेंगे जीवनभर...
हम बी.ए.पी.एस. के कार्यकर, हम महंत स्वामी के कार्यकर... २

संकल्प करें हम, हृदय हृदय में निष्ठा ज्योत जलाएंगे;

संकल्प करें हम, गुरुमहिमा को नभ धरती फैलाएंगे;

संकल्प करें हम, एक जूट हो समाज को संस्कारेंगे;

संकल्प करें हम, सेवा कर गुरु-प्रसन्नता को पाएंगे...

हम बी.ए.पी.एस. के कार्यकर, हम महंत स्वामी के कार्यकर... ३

कवि : साधु केशवकीर्तनदास

गायक : सुधीर यदुवंशी और गायकवृंद

ट्रेक ५ : स्वागत गीत, कार्यकर सुवर्ण महोत्सव

સોને કી છડી, રૂપે કી મશાલ, જરિયાન કા જામા, મોતીન કી માલા,
કાને કુંડળ, માથે મુગટ, ખભે ખેસ, અંગે સોનેરી શણગાર,
કરુણાના સાગર, મહારાજાધિરાજ, સ્વામિનારાયણ ભગવાનને ઘણી ખમ્મા...
અક્ષરપુરુષોત્તમ મહારાજને ઘણી ખમ્મા...
આજુ સે જુઓ, બાજુ સે જુઓ, નિગાહ રખિયો મહેરબાન...

ભગવી ધોતી ને ભગવી પાઘ, સાધુતા કે શિરતાજ,
મહંત સ્વામી મહારાજને ઘણી ખમ્મા, મારા વહાલાને ઘણી ખમ્મા...

स्वागत हो, स्वागत हो...

(छंदः)

तव दरशन कर हरख-हरख भयो, गुरुहरि अंतर सुख बरसायो
महंत गुरुवर परस परस कर कथिर कनक कर जीव पलटायो
गुरुवर हरिवर आओ पधारो, अंतर तल पर पद पधराओ
तव पद जीवन-फूल बिछायो महंत गुरुवर धन्य बनाओ।

आवो आवो आवो पधारो, स्वामिनारायण प्यारा रे
अक्षरपुरुषोत्तम के स्वागत में, जयघोष हमारा रे...

सब मिलके गाओ रे, जयनाद गजाओ रे,
अक्षरपुरुषोत्तम महाराज की... जय जय

आवो आवो आवो पधारो, गुरुवर जग से न्यारा रे, अक्षरब्रह्म अपारा रे,
प्रमुखस्वामी के स्वागत में, महंत स्वामी के स्वागत में, जयघोष हमारा रे,
बोलो मेरे संग, गाओ मेरे संग, प्रमुखस्वामी महाराज की... जय जय
बोलो मेरे संग, गाओ मेरे संग, महंत स्वामी महाराज की... जय जय

(ध्रुव पंक्ति)
धन्य घडी धन्य भाग्य आज हमारे महंत स्वामी पधारो रे,
स्वागत में पथ ऊपर सब ही, हृदयपुष्प बिछाओ रे। स्वागतम् स्वागतम्...

कार्यकरों के हृदयकमल में आप बिराजो रे
भक्तजनों के हृदयकमल में आवो बिराजो रे
धन्य घडी धन्य भाग्य आज हमारे महंत स्वामी पधारो रे... ध्रुव.

गगन सुनहरा बन जाए, जब सूर्य किरण छू लेते हैं,
गुरुजी हम तो आप स्पर्श से स्वर्ण फूल बन जाते है।
दिव्य तेज हम पर आज बरसाने, महंत स्वामी पधारो रे... १

स्वर्ण महोत्सव कार्यकारों का गुरु आपने सजाया है,
कथीर को कुंदन करने हर एक क़दम बढ़ाया है।
आज हमें स्वर्णिम बनाने, महंत स्वामी पधारो रे... २

(ગુજરાતી)
અમે બી.એ.પી.એસ.ના કાર્યકરો, બી.એ.પી.એસ.ના કાર્યકરો.
અમે પ્રમુખજીની માળાના મણકા,
અમે મહંતજીની માળાના મણકા... ધ્રુવ

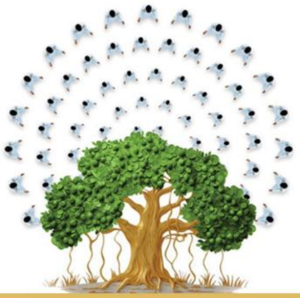

અમે તો હતા સૌ વિખરાયેલા, આપે વીણી વીણીને જોડેલા;
અમે નિષ્ઠાના તાંતણે બંધાણા, અમે સંપની સાંકળે જોડાણા.
અમે બી.એ.પી.એસ.ના... ૧

અમે ગુરુને રીઝવવા સેવા કરીએ, અમે તનને ભૂલી મનગમતું મૂકીએ;
અમે જીવન પવિત્ર જીવવાના, અમે પારસસ્પર્શે સોનાના.
અમે બી.એ.પી.એસ.ના... ૨

અમે ઘસાઈને ઊજળા થઈએ, અમે સમાજની સેવા કરીએ;
અમે વિશ્વ સકલના શાંતિદૂત, અમે ભારત કેરા દિવ્ય સપૂત.
અમે પ્રમુખજીની માળાના મણકા,
અમે મહંતજીની માળાના મણકા... ૩

(राजस्थानी)

आओ पधारो म्हारे देस, म्हारे देस, म्हारे देस
गुरुवर काज आपके निरखी जन विस्मित हो जावे हैं।
सूरज चंदा तारा भी जश देख अचंबो, अचंबो पावे है॥ अचंबो पावे है...

मोहनी मूरत प्यारी सूरत जन जनने हर्षावे है।
भयभंजक-गुरुदर्शन को जन देश देश से, आवे आवे है॥ आवे आवे है...

आओ पधारो म्हारे देस, म्हारे देस, म्हारे देस
हम सबको सुवासित करने चंदन सा घिस जावे हैं।
उपकार आपके अनंत है हम गीत उसीके गावे है॥ गावे गावे है...

आवो आवो आवो पधारो, गुरुवर जग से न्यारा रे, अक्षरब्रह्म अपारा रे,

प्रमुखस्वामी के स्वागत में, महंत स्वामी के स्वागत में, जयघोष हमारा रे,

सब मिलके गाओ रे, जयनाद गजाओ रे, प्रमुखस्वामी महाराज की... जय जय

सब मिलके गाओ रे, जयनाद गजाओ रे, महंत स्वामी महाराज की... जय जय

કવિ : સાધુ અક્ષરવત્સલદાસ, સાધુ મધુરવદનદાસ,
સાધુ વિવેકશીલદાસ

ગાયક : હરિઓમ ગઢવી, સુધીર યદુવંશી, જયદીપ સ્વાદિયા,
દિવ્યકુમાર અને ગાયકવૃંદ

ट्रेक ६ : सेवा की एक परम ज्योति

जय हो... जय हो... आनंद छायो रे... आनंद छायो रे...
सुवर्ण महोत्सव आंगन आयो रे... आंगन आयो रे....

सेवा की एक परम ज्योति महा, पल पल झगमग जलती है यहाँ।
आनंद छायो रे... आनंद छायो रे... जय हो... जय हो...
आनंद छायो रे... आनंद छायो रे... जय हो... जय हो...
सेवा की एक परम ज्योति महा, पल पल झगमग जलती है यहाँ।
जय हो... जय हो...

घर घर घूमे संस्कृतिवाहक, अक्षरपुरुषोत्तम के धारक;
बी.ए.पी.एस. के ध्वज को लेकर, संस्कारगंगधारा-वाहक।
प्रमुखस्वामीजी के कार्यकरों का, स्वागत इन कार्यकरों का, धर्मवीरों का,
महंत स्वामी के सेवामय शूरों का।

सेवा की एक परम ज्योति महा, पल पल झगमग जलती है यहाँ।
आनंद छायो रे... आनंद छायो रे... जय हो... जय हो... (२)
आनंद छायो रे... आनंद छायो रे... जय हो... जय हो...

कवि : साधु अक्षरवत्सलदास
गायक : सोनु निगम और गायकवृंद

ટ્રેક ૭ : મંગલ દીપ-પ્રાગટ્ય

Track 8 : The Seeds

गुरुप्रेम से हुआ है सदैव जिसका पोषण...
यही बी.ए.पी.एस. के कार्यकरों का जीवन...

Track 9 : The Trees

हर श्वास में मानवता के मूल्य सनातन...
यही बी.ए.पी.एस. के कार्यकरों का जीवन...
सुख दुःख की आंधी में निश्चल हो दृढ़ मन...
यही बी.ए.पी.एस. के कार्यकरों का जीवन...

Track 10 : The Fruits

सेवा से स्वर्ग करें धरती का आंगन...
यही बी.ए.पी.एस. के कार्यकरों का जीवन...
गुरु महंतजी से है पहचान सनातन...
यही बी.ए.पी.एस. के कार्यकरों का जीवन...

For tracks 8 to 10 –
कवि : श्री पराग शास्त्री, साधु विवेकशीलदास
गायक : गायकवृंद

ट्रेक ११ : अभिवंदन गीत

ॐ कार्यकराणाम् अभिवन्दनम् ॐ समर्पितानाम् अभिवन्दनम्
ॐ गुरुप्रियाणाम् अभिवन्दनम् वंदनम् वंदनम् अभिवंदनम्

प्रमुखस्वामी के धर्मवीरों का अभिवंदनम्, महंत स्वामी के प्रिय शूरों का अभिवंदनम्;
सेवामय सब कार्यकारों का अभिवंदनम्, बी.ए.पी.एस. के कार्यकरों का अभिवंदनम्;
वंदनम् वंदनम् अभिवंदनम्, वंदनम् वंदनम् अभिवंदनम्...

गुणातीत गुरुवरने बोये, बीज समर्पण के सनातन।(२)
सदा समर्पित, कार्यकारों का अभिवंदनम्,(२)
हो... वंदनम् वंदनम्... बी.ए.पी.एस. के कार्यकरों का अभिवंदनम्।

शौर्य, धैर्य के वृक्ष अनुपम, निष्ठा जलसे सिंचित उपवन,(२)
श्रद्धा-सुरभित, कार्यकारों का अभिवंदनम्,(२)
हो... वंदनम् वंदनम्... बी.ए.पी.एस. के कार्यकरों का अभिवंदनम्।

स्वर्ण फलों से धन्य धरा, यह कार्यकरों से होती पावन,(२)
परहितकारी कार्यकारों का अभिवंदनम्,(२)
हो... वंदनम् वंदनम्, बी.ए.पी.एस. के कार्यकरों का अभिवंदनम्।
हो... वंदनम् वंदनम् अभिवंदनम्, बी.ए.पी.एस. के कार्यकरों का अभिवंदनम्।

कवि : साधु अक्षरवत्सलदास, साधु विवेकशीलदास
गायक : पराग शास्त्री और गायकवृंद